बिहार में बिजली गिरने से मौत

चर्चा में क्यों?

हाल ही में बिहार के अलग-अलग इलाकों में बिजली गिरने से कम-से-कम 12 लोगों की मौत हो गई। **मुख्यमंत्री ने इन मौतों पर अपनी संवेदना व्यक्त की** और **प्रत्येक के परिजनों को 4-4 लाख रुपए** की अनुग्रह राशि **देने की घोषणा की।**

- **अनुग्रहपूर्वक भुगतान** का अर्थ है किसी संगठन या सरकार द्वारा **दावों और क्षतियों के लिये व्यक्तियों को किया जाने वाला भुगतान।**

मुख्य बिंदु

- मुख्यमंत्री ने लोगों से सतर्क रहने और आँधी-तूफान **के दौरान घर पर रहने को कहा है।**
- उन्होंने नागरिकों को राज्य आपदा प्रबंधन विभाग द्वारा आँधी-तूफान और अत्यधिक वर्षा के संबंध में जारी की गई सलाह का पालन करने के लिये भी प्रोत्साहित किया है।
- बिहार आर्थिक सर्वेक्षण रिपोर्ट **2023-2024** के अनुसार, राज्य में वर्ष 2022-23 में **बिजली और वज्रपात से संबंधित 400 मौतें हुई** तथा सबसे ज़्यादा मौतें गया (46), भोजपुर (23) और नवादा (21) में हुईं।
- राज्य सरकार ने वर्ष 2022-23 में आपदा प्रबंधन के लिये 430 करोड़ रुपए आवंटित किये और इसमें से 285.22 करोड़ रुपए बिजली गिरने तथा डूबने जैसी स्थानीय आपदाओं के लिये खर्च किये गए।

बिजली चमकना

- यह "मेघ और ज़मीन के बीच या बादल के भीतर **बहुत कम अवधि तथा उच्च वोल्टेज के विद्युत निर्वहन"** की प्राकृतिक प्रक्रिया है, जिसके साथ एक चमकदार चमक, एक तेज़ आवाज़ एवं कभी-कभी आँधी भी आती है।
- **आकाशीय बिजली एक शक्तिशाली और दृश्यमान विद्युत घटना है** जो तब घटित होती है जब **बादलों के अंदर एवं बादलों तथा ज़मीन के बीच विद्युत आवेश का निर्माण होता है।**

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/lightning-strike-kills-in-bihar